जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

25 जनवरी 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में 'प्राचीन भारतीय राजशास्त्र की वर्तमान राजनीति में प्रासङ्गिकता' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

प्राचीन भारतीय राजशास्त्र की वर्तमान राजनीति में प्रासङ्गिकता विषय को लेकर जामिया मिल्लिया इस्लामिया के संस्कृत विभाग द्वारा राष्ट्रीय सामाजिक अनुसन्धान परिषद (उत्तरी क्षेत्र) दिल्ली संस्कृत अकादमी के सहयोग से आयोजित द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन समारोह 'सेन्टर फॉर इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी' के सभागार में 11 बजे प्रारम्भ हुआ।

विभागाध्यक्ष प्रो. गिरीश चन्द्र पन्त द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया तथा उनके द्वारा संगोष्ठी की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला गया। सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो० इकबाल हुसैन साहब ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में वर्तमान कानून और पाश्चात्य विचारकों के मतों का उल्लेख करते हुए भारतीय राजशास्त्र के महत्त्व को प्रतिपादित किया। बीज वक्तव्य अन्तरराष्ट्रीय संस्कृत अध्ययन समवाय (पेरिस) की अध्यक्ष, प्रो. दीप्ति त्रिपाठी ने राजधर्म, दण्डनीति, अर्थशास्त्र आदि विषयों पर अपने विचार रखें। मुख्य अतिथि के रूप में आए हुए श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के माननीय कुलपति प्रो. मुरलीमनोहर पाठक जी ने अपने उद्बोधन में कौटिल्य अर्थशास्त्र के महत्त्व का प्रतिपादन किया।

विशिष्ट अतिथि, महात्मा गाँधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय,वर्धा के पूर्व कुलपति, प्रो. गिरीश्वर मिश्र जी, ने अपने वक्तव्य में कहा कि प्राचीन भारतीय चिन्तन को प्रकाश में लाने की आवश्यकता है। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के भाषा एवं मानविकी के सङ्कायाध्यक्ष प्रो. इक्तेदार मो. खान साहब ने अपने उद्बोधन में कहा कि इंसानियत की बात करना ही धर्म का मुख्य उद्देश्य है। उद्घाटन समारोह में संगोष्ठी में प्रस्तुत होने वाले पत्रों में से कुछ शोधपत्रों का चयन कर उनकी पुस्तक प्रकाशित की गई और उसका लोकार्पण सम्माननीय अतिथियों के द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन पूर्व-विभागाध्यक्ष डॉ.जय प्रकाश नारायण द्वारा किया गया।

उद्घाटन सत्र का संचालन संगोष्ठी के संयोजक डॉ. धनञ्जय मणि त्रिपाठी द्वारा किया गया । इस अवसर पर दिल्ली संस्कृत अकादमी से श्री दिनेश शर्मा, जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के अध्यक्ष, विभागों के अध्यक्ष, शोध केन्द्रों के अध्यक्ष तथा भारत से आये विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागी उपस्थित रहें । उद्घाटन सत्र के पश्चात् 04 तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया । द्वितीय दिवस 24 जनवरी को 12 तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। दोनों दिनों में 16 तकनिकी सत्रों में लगभग 75 शोधपत्रों का वाचन किया गया।

समापन सत्र में मुख अतिथि के रूप में भारतीय अनुसन्धान परिषद के सचिव प्रो० सच्चिदानद मिश्र, विश्व पत्रकारिता संघ के अध्यक्ष तथा प्रधानमंत्री जी की 'मन की बात' के संस्कृत अनुवादक डॉ बलदेवानंद सागर की विशिष्ट उपस्थिति रही। संगोष्ठी में प्रतिभागी के रूप में नालन्दा विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो विजय कुमार कर्ण एवं जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक से आये डॉ० सचिन देव द्विवेदी ने संगोष्ठी की प्रतिभागी प्रतिक्रिया को प्रस्तुत किया।

संगोष्ठी संयोजक डॉ. धनञ्जय मणि त्रिपाठी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और अन्त में डॉ० जयप्रकाश नारायण जी ने संगोष्ठी की सफलता हेतु सभी आगन्तुकों, जामिया प्रशासन और सभी सहयोगी संस्थओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

संस्कृत विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली 110025
23-24 जनवरी 2024
संस्कृतविभागः
डॉ. राजेश कुमार

प्राचीन भारतीय राजशास्त्र की वर्तमान राजनीति में प्रासङ्गिकता
प्रो. गिरीश्वर मिश्र
प्रो. इक्तेदार मो. खान
डॉ. धनञ्जय मणि

संस्कृतविभागः

प्रो. सच्चिदानन्द मिश्र
संस्कृतविभागः
जामिया-मिल्लिया-इस्लामिया, नवदेहली-110 025

***